

मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से सांवेर विधानसभा को मिली बड़ी सौगात

श्री सिलावट ने पशु औषधालयों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का माना आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से सांवेर विधानसभा क्षेत्र में पशुपालकों और पशुओं के लिए महत्वपूर्ण सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 3 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से 13 स्थानों पर पशु औषधालयों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन पशु औषधालयों के निर्माण से क्षेत्र में पशुओं के उपचार, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाओं की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार पशुपालन से जुड़े हैं। पशुपालकों को अपने पशुओं के उपचार के लिए कई बार दूर स्थित पशु चिकित्सा केंद्रों पर जाना पड़ता है। इस समस्या को ध्यान में रखते



हुए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सांवेर विधानसभा क्षेत्र में नवीन पशु औषधालयों के निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराते हुए स्वीकृति का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस मांग पर सकारात्मक पलट करते हुए 13 पशु औषधालयों के निर्माण के लिए स्वीकृति आदेश जारी किया गया है।

13 स्थानों पर होंगे पशु औषधालयों के निर्माण- स्वीकृत पशु औषधालयों का निर्माण नगर परिषद सांवेर, ग्राम टोडी, धरमुपुरी, डकाच्या, बड़ोदिया खान, बारोली, टाकुन, बधाना, कछालिया, बसान्द्रा, बरलाई जागीर तथा कुडाना सहित क्षेत्र के विधायित स्थानों पर किया जाएगा। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को पशुओं के उपचार के लिए बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

नवीन पशु औषधालयों के निर्माण से पशुओं में होने वाली विभिन्न मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों के उपचार के साथ-साथ

नियमित स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। इसके अलावा पशुओं की प्रसूति संबंधी आवश्यकताओं तथा अन्य पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए भी पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर सुविधा मिल सकेगी। इससे पशुओं के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के साथ पशुपालकों को समय और संसाधनों की बचत होगी।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 13 पशु औषधालयों के निर्माण के लिए 3 करोड़ 35 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ पशुपालकों के हितों और पशुधन के संरक्षण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। सांवेर क्षेत्र में पशु औषधालयों की स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे क्षेत्र के पशुपालकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।



सहभागिता तथा सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की भावना विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों में राष्ट्र भावना जागृत करते हुए उन्हें सेवा संकल्प की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. महेश गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजय प्रसाद, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. संजय राने, अंग्रेजी विभाग की

प्राध्यापक डॉ. मनीषा माथुर, एनसीसी अधिकारी डॉ. भगवत राय, डॉ. बालू तिखे, वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. दीप्ति अग्रवाल, मराठी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. योगेश शेलके, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अरुण कुमार आर्य, डॉ. ज्ञानेश्वर तिखे सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वाहन करने तथा सेवा भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के आयोजन ने भी सेवा, संस्कार और सामाजिक सरोकार की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया।

जन विश्वास शिविरों में प्राप्त प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें : संभागायुक्त

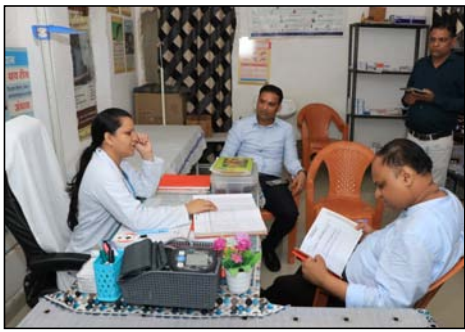


इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने शुक्रवार को झाबुआ कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, सेवा-संकल्प अभियान सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने लाक्षाकार ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक आयोजित जन विश्वास शिविरों, प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण, हितलाभ वितरण, हितग्राही एवं जनसंवाद तथा अभियान के दौरान किए गए क्षेत्रीय निरीक्षणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जन विश्वास अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के साथ शासन एवं आमजन के बीच विश्वास और संवाद को मजबूत करना है। इसलिए शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका समयबद्ध एवं संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर केवल आवेदन प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहें, बल्कि प्राप्त प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव है, उनका मौके पर ही समाधान किया जाए तथा शेष प्रकरणों के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर निरंतर फॉलोअप किया जाए।

संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने संदला में संस्थाओं का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं, आंगनवाड़ी केंद्र एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं का लिया जायजा



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत इंदौर संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार एवं झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने झाबुआ जिले के ग्राम संदला में विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र संदला में स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी- संभागायुक्त श्री लाक्षाकार एवं कलेक्टर डॉ. भरसट ने उप स्वास्थ्य केंद्र संदला का निरीक्षण कर ओपीडी, एएनसी जांच, मरीजों के रेफरल सहित उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि केंद्र पर आज 15 मरीज ओपीडी में आए। केंद्र पर एक सीएचओ एवं दो एएनएम पदस्थ हैं। उन्होंने लक्षण वाले मरीजों को निर्धारित एसओपी के अनुसार आवश्यकतानुसार उच्च स्वास्थ्य संस्था में रेफर किए जाने की प्रक्रिया की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्त

दो रुप-डी कर्मचारियों के विगत दो माह से उपस्थित नहीं होने की जानकारी मिलने पर संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए उनके स्थान पर अन्य कर्मचारियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्भवती महिलाओं की नियमित एएनसी जांच तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केंद्र संदला में पोषण आहार वितरण का किया अवलोकन- इसके पश्चात संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र संदला का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण एवं संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान बच्चों को नाश्ते में दी जा रही थुली तथा हितग्राहियों को वितरित किए जाने वाले टेक होम राशन (टीएचआर) का अवलोकन किया। उन्होंने निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार का नियमित वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से किया संवाद- संभागायुक्त श्री लाक्षाकार एवं कलेक्टर डॉ. भरसट ने एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय संदला का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कक्षा 6वीं एवं 7वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली तथा हिंदी विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर को परखा। विद्यालय में प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक लाइट लगवाने तथा खराब फनीचर की मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने और शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।



प्रतिभा, रचनात्मकता एवं सामुदायिक भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं युवाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य शिविर प्रमुख रहा। स्वास्थ्य शिविर में प्रतिभागियों का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में GEN-Z युवाओं के लिए क्रिज प्रतियोगिता एवं चेयर रैस का आयोजन किया गया। इसी प्रकार महिलाओं के लिए

चेयर रैस एवं नीचू-चम्मच दौड़ सहित विभिन्न मनोरंजक एवं खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भजन एवं को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं युवाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य शिविर प्रमुख रहा। स्वास्थ्य शिविर में प्रतिभागियों का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में GEN-Z युवाओं के लिए क्रिज प्रतियोगिता एवं चेयर रैस का आयोजन किया गया। इसी प्रकार महिलाओं के लिए

ग्रामीणजनों ने सामुदायिक एकता, सकारात्मक सोच, सामाजिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी 250 से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, उनके GEN-Z युवाओं, ग्रामीणजनों एवं संबंधित विभागीय अमले ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही स्वास्थ्य, खेल, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण आजीविका मिशन की 250 से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ सहायक जिला प्रबंधक प्रशिक्षण श्रीमती रेणुका भार्गव, विकासखंड प्रबंधक सुश्री माधवी तेजवानी एवं विकासखंड इंदौर की टीम की सक्रिय भूमिका रही।

प्रदेश के 3.80 लाख युवाओं ने किया ऑनलाइन पंजीयन; 6 लाख पंजीयन का लक्ष्य

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं मिल रहें नए अवसर - मंत्री श्री सारंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विस्तारित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 (15 से 29 वर्ष) युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की एक संरचित, योग्यता-आधारित यात्रा में भाग लेने का एक राष्ट्रव्यापी अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन युवाओं की पहचान करना, उन्हें प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, जो 2047 तक विकसित भारत में योगदान देना चाहते हैं। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश के 3.80 लाख युवाओं ने माय भारत पोर्टल में ऑनलाइन पंजीयन किया है और सरकार ने 6 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश के लिए ट्राइबल लीडरशिप, नेचुरल रिसोर्सेस और इन्क्लूसिव डेवलपमेंट थीम निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवा प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेश के युवा बड़ी संख्या में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। अंतिम चरण में चर्चनित युवा 10-12 जनवरी 2027 को प्रधानमंत्री श्री

मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता की महत्वपूर्ण तिथियां- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि 17 अगस्त-30 सितंबर तक विकसित भारत क्रिज, 5-19 अक्टूबर तक विकसित भारत निबंध प्रतियोगिता, 10-16 नवंबर जिला चैंपियनशिप, 17 नवंबर-डूढ़ दिसंबर राज्य स्तरीय और 10-12 जनवरी, 2027 राष्ट्रीय स्तर, नई दिल्ली इन दिनांकों में निर्धारित कार्यक्रम चरणबद्ध तरीकों से किए जाएंगे।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवा प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग युवा प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ चढ़ कर मध्यप्रदेश के युवा प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवाओं को आपस में संवाद करने, विभिन्न संस्कृतियों को समझने तथा भारत की विविधता का सम्मान एवं उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की नेतृत्व क्षमता एवं विविध प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना, जिसमें लोकगीत, लोकनृत्य, चित्रकला, भाषण, कविता लेखन आदि क्षेत्र शामिल हैं।

क्रिज से लेकर चैंपियन तक- विकसित भारत चैलेंज

5 चरणों वाले मार्ग का अनुसरण करेगा। पहले चरण में (विकसित भारत प्रश्नोत्तरी)- डिजिटल क्रिज प्रतियोगिता MY Bharat पोर्टल आयोजित की जा रही है। दूसरे चरण में (निबंध लेखन और मूल्यांकन) डिजिटल क्रिज प्रतियोगिता में चर्चनित प्रतिभागी शामिल होंगे। फिर भारत सरकार द्वारा प्राप्त विषयों का निबंध का मूल्यांकन राज्य स्तर पर किया जाएगा। तीसरे चरण में (जिला स्तर पर पीपीटी प्रतियोगिता और मूल्यांकन) निबंध प्रतियोगिता में चर्चनित प्रतिभागी जिला स्तर पर निर्धारित विषयों में पीपीटी प्रस्तुतीकरण देंगे। फिर जिला स्तर पर मूल्यांकन एवं चयन होगा। चौथे चरण में (राज्य स्तर पर पीपीटी प्रतियोगिता और मूल्यांकन) जिला स्तर पर चर्चनित प्रतिभागी राज्य स्तर पर निर्धारित विषयों में पीपीटी प्रस्तुतीकरण देंगे। फिर राज्य स्तर पर मूल्यांकन एवं चयन होगा। और अंतिम व पांचवें चरण में (राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता) भारत मंडपम, नई दिल्ली- राज्य स्तर पर चर्चनित युवा माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सहभागिता करेंगे।

युवा प्रतिभा, नेतृत्व और नवाचार को प्रदर्शित करने वाली 6 श्रेणियां- VBYLD-2027 (विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग) 6 प्रमुख श्रेणियों के माध्यम से युवाओं के लिए कई अवसर उपलब्ध करेगा। विकसित

भारत चैलेंज (यह प्रमुख मंच है जो युवाओं को प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता और प्रस्तुति-आधारित चयन प्रक्रिया के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत के लिए अभिनव विचारों और समाधानों को व्यक्त करने में सक्षम बनाता है), सांस्कृतिक प्रतियोगिता (लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, भाषण कला और कविता लेखन प्रतियोगिताएं, जो युवाओं को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगी), भारत के लिए डिजाइन (वास्तविक दुनिया की विकासात्मक चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करने पर केंद्रित एक राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता), हैकिंग फॉर सोशल कॉज (एक टेक्नोलॉजी-आधारित नवाचार चुनौती जो सामाजिक और विकासात्मक चुनौतियों के लिए स्केलेबल डिजिटल समाधान आमंत्रित करती है), युवा उद्यमी चुनौती (VBYLD 2027 के लिए एक नया ट्रैक, जो युवा उद्यमियों को राष्ट्रीय विकास प्रार्थमिकताओं के अनुरूप स्टार्टअप पिच और व्यावसायिक योजनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करता है) और युवा संसद (इसे VBYLD 2027 में एकीकृत किया गया है, जिसके राष्ट्रीय फाइनलिस्ट राष्ट्रीय VBYLD में भाग लेंगे) शामिल हैं।

बालिकाओं की सुविधाओं से लेकर भोजन की गुणवत्ता तक-संभागायुक्त ने परखी छात्रावास की व्यवस्थाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत इंदौर संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने झाबुआ जिले में मॉडल स्कूल कल्याणपुरा स्थित बालिका छात्रावास का निरीक्षण कर छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट भी साथ थे।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने छात्रावास में दर्ज बालिकाओं की संख्या एवं उपस्थिति की जानकारी ली। बताया गया कि छात्रावास में कुल 200 बालिकाएं दर्ज हैं तथा वर्तमान में 150 बालिकाएं छात्रावास में निवासरत हैं, जो निरीक्षण के समय विद्यालय गई हुई थीं। संभागायुक्त ने छात्रावास में बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं के संभावना में जानकारी प्राप्त की। संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने छात्रावास की भोजनशाला का भी निरीक्षण किया। इस दौरान बालिकाओं के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए भोजन व्यवस्था एवं रसोईघर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास में स्वच्छता बनाए रखने तथा बालिकाओं को निर्धारित मापदंड के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में बालिकाओं के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराए जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए, जिससे अध्ययन के साथ-साथ बालिकाओं को खेलकूद गतिविधियों में सहभागिता के पर्याप्त अवसर मिल सकें। वहीं छात्रावास में कार्यरत रसोइयों द्वारा मानदेय प्राप्त नहीं होने की जानकारी दिए जाने पर संभागायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार लब्ध मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बालिकाओं से कथित छेड़छाड़ के बाद पुलिस के खिलाफ फूटा आक्रोश, बारिश में सड़क पर बैठे, हनुमान चालीसा पढ़कर जताया विरोध

पुलिस पर कार्रवाई में देरी और पीड़ित बालिकाओं को थाने पर बैठाए रखने का आरोप

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी नगर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सबाल खड़े हुए हैं। गुरुवार रात सज्जी मंडी मार्ग पर बालिकाओं के साथ कथित छेड़छाड़, गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार की घटना के बाद पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई नहीं किए जाने के आरोप में शुकवार को हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बरसते पानी में गांधी चौराहे पर धरना दिया। करीब एक घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ कर पुलिस प्रशासन को सटुड़ि देने की कोशिश की और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद एसडीओपी पिन्टू बघेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने अपने पर बैठे कार्यकर्ताओं से चर्चा कर उन्हें समझाश दी तथा पुलिस चौकी में आकर मामले पर चर्चा करने को कहा। इसके बाद कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए



पुलिस चौकी पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सबाल उठाते हुए जमकर नाराजगी जताई। कार्यकर्ताओं का कहना था कि यदि पुलिस शिकायत मिलते ही कार्रवाई करती तो उन्हें बारिश में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। बाद में पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी गई। एसडीओपी के शीघ्र कार्रवाई के आश्वासन के बाद कार्यकर्ताओं ने लिखित ज्ञापन सौंपा।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नगर में असामाजिक तत्वों का आतंक बढ़ रहा है और पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं

किए जाने से अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सबाल उठाए। उनका आरोप था कि गुरुवार रात सज्जी मंडी मार्ग पर बालिकाओं के साथ कथित छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार की घटना के बाद परिजन शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुंचे थे। इसके बावजूद आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। कार्यकर्ताओं का यह भी आरोप था कि बालिकाओं को करीब दो घंटे तक थाने पर बैठाए रखा गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस को प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि किसी घटना के बाद पीड़ित पक्ष को ही शिकायत लेकर इधर-उधर भटकना पड़े और न्याय के लिए सड़क पर धरना देना पड़े तो यह पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सबाल पड़े। उनका कहना था कि पुलिस की निष्क्रियता से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ते हैं और

आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। तेज रफ्तार बाइक से बालिकाओं को टक्कर मारने की कोशिश का आरोप-एसडीओपी को सौंपे गए ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने गुरुवार रात की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि रात करीब 8.30 बजे दो-तीन बहनें सज्जी मंडी से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक पर सवार दो युवक उनके समीप पहुंचे और अचानक ब्रेक लगाए। कार्यकर्ताओं के अनुसार, यदि बालिकाएं समय रहते पीछे नहीं हटतीं तो बाइक की चपेट में आ सकती थीं और गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि जब एक बालिका ने युवकों की इस हरकत का विरोध किया तो उन्होंने कुछ दूरी पर बाइक रोककर सर्राह गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया व छेड़छाड़ की। घटना के बाद जब पीड़ित परिवार और क्षेत्रवासी शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुंचे तो चौकी प्रभारी तथा थाने पर थाना प्रभारी मौके पर उपलब्ध नहीं थे। पूर्व में भी नगर में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर पुलिस को मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया गया है। इसके बावजूद यदि ऐसी घटनाएं सामने आती हैं

तो पुलिस प्रशासन को अपनी कार्यप्रणाली की समीक्षा करनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन के दौरान विहिप के जिला सहमंत्री निलेश जैन ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पुलिस को मादक पदार्थों की कार्रवाई करनी होती है तो तत्काल सक्रियता दिखाई देती है, लेकिन जब अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की बात आती है तो देरी होने लगती है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को न्याय के लिए बारिश में सड़क पर बैठना पड़े, यह पुलिस प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। चौकी पर विहिप के जिला सहमंत्री नीलेश जैन, दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका तनीषा डाबी, प्रखंड अध्यक्ष मनोहर मनवाली, ललित कसेरा, पवन राव, आकाश वाल्मिकी, शुभम शर्मा, आयुष माली, अजय माली, प्रहलाद लक्षकार, माया गुप्ता, ज्योति बैरागी, अवनी पंवार, जयकिशोरी शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर और तेज आवाज वाले हॉर्न लगाए जाने से ध्वनि प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हो रही है।

होटल और मकानों में संदिग्ध गतिविधियों की जांच की मांग-

कार्यकर्ताओं ने मल्हारगढ़ तहसील क्षेत्र की कुछ होटलों तथा पिपलियामंडी के कनघड़ी मार्ग स्थित कुछ मकानों में बिना वैध पहचान पत्र के कमरे उपलब्ध कराए जाने की शिकायत भी ज्ञापन में की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर युवक-युवतियों को कमरे दिए जा रहे हैं। साथ ही नाबालिगों को कमरे उपलब्ध कराने के आरोपों की जांच करने तथा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो संबंधित संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि होटल और किराए के मकानों में ठहरेने वालों की पहचान का उचित सत्यापन होना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बढ़ावा न मिले। एसडीओपी पिन्टू बघेल ने कार्यकर्ताओं को मामले में शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसडीओपी के आश्वासन के बाद कार्यकर्ताओं का आक्रोश शंत हुआ।

एक आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी - मामले को लेकर चौकी प्रभारी रिदेश डामोर ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रण निवासी राहुल भाटी को गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश और जांच की जा रही है।

आंकड़ों ने छोटी पोत: सांसद निधि खर्च करने में फिसड्डी साबित हुए सुधीर गुप्ता, जनता का पैसा दबाकर बैठे- कांग्रेस

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर-नीमच लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद सुधीर गुप्ता की कार्यप्रणाली और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी कथित उदासीनता को लेकर जिला कांग्रेस कमेटि ने बेहद आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए सांसद पर क्षेत्र की जनता के साथ ऐतिहासिक धोखा करने का आरोप लगाया है। बाहेती ने कहा कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती और अब सांसद की निष्क्रियता पर खुद सरकारी आंकड़ों की मोहर लग चुकी है।बाहेती ने आंकड़ों की पोत खोलते हुए बताया कि वर्तमान कार्यकाल के दो वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित 14.89 करोड़ रुपये की विकास राशि में से सांसद गुप्ता ने मात्र 28.20त (सिर्फ 4.20 करोड़ रुपये) ही खर्च किए हैं। शेष 72त राशि (लगभग 10.69 करोड़ रुपये) बिना किसी उपयोग के दबाकर रखी गई है। इस लचर प्रदर्शन के कारण वे पूरे मध्य प्रदेश में पीछे से दूसरे नंबर पर यानी सबसे फिसड्डी सांसदों की सूची में शामिल हैं। बाहेती ने आरोप लगाया कि जो नाममात्र की 28त राशि खर्च दिखाई गई है, उसका भी एक बड़ा हिस्सा केवल पानी के टैंकर बांटने जैसी चुनौती औपचारिकता में खपा दिया गया। आज नीमच जिला अस्पताल में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं और उपकरणों का भारी अभाव है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बूंद-बूंद पानी और सड़कों के लिए तरस रहे हैं।

कांग्रेस ने भाजपा और कांग्रेस की कार्यशैली की तुलना करते हुए पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन का उदाहरण दिया। बाहेती ने कहा कि सुश्री नटराजन ने अपने कार्यकाल में 100त सांसद निधि पूरी ईमानदारी से गांवों, मजदूर-टोलों और बस्तियों के बुनियादी विकास में लगाई थी, जबकि रिकॉर्ड मतों से जीतते वाले सुधीर गुप्ता विकास की तिजोरी पर ताला लगाकर बैठ गए हैं।

पेंशनर महासंघ ने आवाज बुलंद की, नई टीम गठित, एरियर और अतिरिक्त पेंशन की उठी मांग

सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ का प्रथम सम्मेलन संपन्न, सिसोदिया अध्यक्ष, राठौड़ सचिव बने

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ का प्रथम सम्मेलन नगर पालिका मंदसौर के सभागृह में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष पीएन तिवारी एवं प्रदेश महामंत्री सुरेश चंद्र बादल के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराणा, भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष जामलिया तथा सेवानिवृत्त अतिरिक्त कलेक्टर एसएन राजावत के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत द्वारा की गई। अतिथियों का स्वागत बी एस सिसोदिया, शक्ति वर्मा, ढालीराम बिसेन, आर सी पांडे, ए नरेंद्र व्यास, दिनेश धनोतिया, विक्रम सिंह सिसोदिया, सत्यनारायण मालवीय, अरविंद सोहनी, सी के बिर्नोई, जे एस भाटी, हरिशंकर शर्मा, सुरेंद्र सिंह चुंडावत, चेत सिंह सिसोदिया, गोवर्धन लाल ओझा, प्रेमचंद बार्मानिया, ओमप्रकाश नामदेव, मांगीलाल चरण, सुभाष चंद्र गुप्ता, विनोद गगरानी, आरपी श्रीवास्तव, प्रभाशंकर, टोपन दास, सुशील गुप्ता, दिलीप गोडबोले,



कन्हैयालाल यादव, विजेंद्र सिंह चौहान तथा प्रहलाद सोनी सहित अनेक पेंशनर साथियों द्वारा दुपट्टा पहनाकर किया गया। अतिथियों का औपचारिक परिचय बी एल सिसोदिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन में महासंघ की नवीन जिला कार्यकारिणी का गठन प्रांतीय अध्यक्ष पी एन तिवारी एवं महामंत्री सुरेश चंद्र बादल के अनुमोदन पश्चात घोषित किया गया।

सदस्य तथा हरिशंकर शर्मा को कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व सौंपा गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव सुरेश चंद्र बादल ने कहा कि संगठन निरंतर पेंशनरों के हितों के लिए संघर्षरत है। उन्होंने बताया कि महंगाई राहत के संबंध में धारा 49(6) के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच एक-दूसरे की सहमति लेने

निर्वाचन अधिकारी सुरेश चंद्र बादल द्वारा की गई घोषणा के अनुसार गठित नवीन जिला कार्यकारिणी में एन एस राजावत को संरक्षक, इंजीनियर बालुसिंह सिसोदिया को अध्यक्ष, ढालीराम बिसेन को कार्यकारी अध्यक्ष, लीलाशंकर भावसार को उपाध्यक्ष, शक्ति कुमार वर्मा को उपाध्यक्ष, नंदकिशोर राठौर को सचिव, देवकीनंदन पालरिया को कोषाध्यक्ष, विक्रम सिंह सिसोदिया को संगठन मंत्री, आरसी पांडे को कार्यकारिणी सदस्य, मनोहर सिंह चंद्रावत को कार्यकारिणी

की गलतफहमी को दूर करने हेतु दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा कर एक स्पष्ट नीति बनाई गई है। इसके परिणामस्वरूप अब दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों के संयुक्त हस्ताक्षरों से पत्र जारी कर दिया गया है, जिससे सहमति का इंतजार समाप्त हो गया है। बादल ने संगठन की प्रमुख मांगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में पेंशनरों को छठे वेतनमान का 32 माह का एरियर तथा सातवें वेतनमान का 27 माह का एरियर दिलाने हेतु सतत प्रयास जारी हैं। इसके साथ ही वर्तमान में 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन का लाभ 65 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही प्रदान करने तथा कम्प्यूटेशन की स्पष्ट नीति का लाभ न्यायालयीन प्रकरणों के अलावा प्रदेश के सभी सामान्य पेंशनरों को देने के लिए मुख्यमंत्री से विशेष अनुरोध किया गया है। उन्होंने सभी पेंशनर बंधुओं से अपने संबंधित बैंक में जाकर खाते को पेंशन खाते के रूप में संचालित करवाने का आग्रह भी किया ताकि उन्हें समस्त देय सुविधाएं सुचारु रूप से मिल सकें। संचालन नंदकिशोर राठौर ने किया। आभार शक्ति वर्मा ने माना।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का छठा समाधान शिविर जावद में आयोजित

आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना अभियान का उद्देश्य - विधायक श्री सखलेचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से शुकवार को नगर परिंद जावद में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का छठा समाधान शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में ग्रामीणों एवं नगरवासियों ने सीमांकन, सीमा विवाद, पेंशन, फसल बीमा, आंगनवाड़ी, विद्यालय और सड़क सहित विभिन्न समस्याएं रखीं। कई प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों में समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बताया कि जावद में आयोजित पूर्व शिविर की लगभग 90 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। वर्तमान शिविर की शिकायतों की प्रगति की आगामी शिविर में समीक्षा की जाएगी। विधायक ने स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति, लैपटॉप, साइकिल एवं उच्च शिक्षा संबंधी योजनाओं का लाभ



लेने का भी आह्वान किया।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के माध्यम से अधिकारी सीधे आमजन के बीच पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। उन्होंने समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के साथ संबंधित क्षेत्र में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

पीएम किसान की शिकायत का त्वरित निराकरण- शिविर में दिनेश चंद्र पिता प्रभुलाल धाकड़ ने पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित समस्या रखी। प्रकरण का त्वरित निराकरण करते हुए उन्हें आगामी किस्त में राशि प्राप्त होने की जानकारी दी गई। हितग्राही ने संतोष व्यक्त करते हुए प्रशासन का आभार माना।

उद्यमियों और विद्यार्थियों से संवाद- उद्यम संवाद में वर्धमान एंटरप्राइजेज के श्री अशोक कुमार मेहता ने मोरछा औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। वेद एंटरप्राइजेज के श्री मंजीत धाकड़ ने प्रशासन के सहयोग से मसाला उद्योग स्थापित करने की जानकारी दी।

यशस्वी संवाद में प्राची अहीर एवं अंजली धाकड़ ने करियर संबंधी जानकारी ली। कलेक्टर ने उन्हें नियमित अध्ययन पर ध्यान देने की सलाह दी तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय स्तर पर करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित करने के लिए जिला

शिक्षा अधिकारी को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर के बाद एसएएम से पीड़ित बच्चों की माताओं को दो न्यूट्री-बास्केट तथा लाइली लक्ष्मी योजना के दो और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के दो प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास, वनमंडलाधिकारी श्री एस.के. अटोदे, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कड़ाही में महकी देशभक्ति, सिंगोली के कचौरी त्यवसायी ने 11,000 के देसी घी से जलाया पीएम मोदी के नाम का महादीपक



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर अंजल में आस्था, दीवानगी और अनुरे समर्पण का एक ऐसा मिसाल सामने आया है, जिसकी हर तरफ जमकर सराहना हो रही है। सिंगोली के प्रसिद्ध महाकाल कढ़ी कचौरी सेंटर के संचालक और प्रख्यात समाजसेवी कन्हैया लाल जांगम (खाना जंगम) ने पीएम मोदी के प्रति अपनी गहरी निष्ठा प्रकट करते हुए एक अनोखा अनुष्ठान किया।

उन्होंने अपनी दुकान की विशाल कड़ाही में 21 किलो शुद्ध देसी घी

डालकर एक भव्य महादीपक प्रज्वलित किया।

इस विशेष दीप को जलाने में संचालक ने करीब 11,000 रुपये मूल्य का देसी घी सहर्ष अर्पित कर दिया

मंगलवार सुबह से ही दुकान पर कड़ाही के बीच तेरते और जगमगाते इस महादीपक को देखने के लिए स्थानीय निवासियों और राहगीरों का तांता लगा रहा।

कड़ाही में जलती लौ और उसके पीछे सजी गरमा-गरम कचौरियां हर किसी के लिए कौतूहल और आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

सोशल मीडिया पर भी इस अनोखे दृश्य

की तस्वीरें और वीडियो तेजी से सुर्खियां बटोर रहे हैं।

मासूम बच्चों के लिए कचौरी वाले अंकल्ट 12 साल से कम उम्र के बच्चों को रोज मुफ्त वितरण

कन्हैया लाल जंगम केवल बातों के कार्यकर्ता नहीं हैं, बल्कि उनका दिल भी बेहद विशाल है। उनके सेवा भाव का सबसे अनुवा रूप यह है कि वे अपनी दुकान पर आने वाले 12 साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को प्रतिदिन मुफ्त में कढ़ी-कचौरी का वितरण करते हैं। बच्चों के प्रति उनका यह निस्वार्थ प्रेम पिछले लंबे समय से निरंतर जारी है, जिसके कारण वे स्थानीय बच्चों के

बीच बेहद लोकप्रिय हैं।आदिवासियों और असहायों की दीपावली बनाने हैं खासजंगम के परोपकार का सिलसिला यहीं नहीं थमता। वे हर साल दीपावली के पवन पर्व पर क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद आदिवासियों को त्योहार मनाने के लिए एकदम नाममात्र की (बेहद कम) दरों पर मिठाइयां उपलब्ध कराते हैं।

इतना ही नहीं, सिंगोली और आसपास के जो परिवार अत्यंत गरीब और असहाय हैं, उनके घरों पर कन्हैया लाल दीपावली के दिन अपने निजी खर्च से मुफ्त मिठाइयां भिजवाते हैं, ताकि कोई भी गरीब परिवार त्योहार के दिन मिठास से वंचित न रहे।

उधारी के 28 लाख रुपए, ब्लैंक चेक और कथित ब्याज वसूली का मामला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया क्षेत्र के ग्राम खोखरा निवासी 42 वर्षीय संदीप पिता श्यामलाल पाटीदार की 24 मई 2026 को हुई आत्महत्या के मामले में पिपलियामंडी पुलिस ने करीब पांच माह बाद पिपलियामंडी निवासी शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप पाटीदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। यह मामला एसपी विलाद मीणा के निर्देश पर पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान सामने आए मृतक के परिवारों एवं अन्य साक्षियों के बयानों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल कॉल डिटेल तथा मृतक के खेत-कुएं पर लगे सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग सहित अन्य तथ्यों के आधार पर मामला दर्ज किया है। केस में डॉ. प्रदीप पर उधारी की रकम को लेकर मृतक को कथित रूप से प्रताड़ित करने, ब्याज सहित अतिरिक्त रकम मांगने तथा रकम नहीं देने पर ब्लैंक चेक में अधिक राशि भरकर कोर्ट में लगाने और जेल भिजवाने की धमकी देने के आरोपों का उल्लेख है।

मर्ग जांच के दौरान पुलिस के अनुसार मृतक की पत्नी गुणबाला, बहन सीमा और रिश्तेदार शिवनारायण ने अपने कथनों में संदीप और डॉ. प्रदीप पाटीदार के बीच पैसें के लेन-देन की जानकारी दी। पुलिस जांच के अनुसार परिवर्जनों ने बताया कि संदीप ने डॉ. प्रदीप से रुपए उधार लिए थे और इसके बदले ब्लैंक चेक दिए थे। परिवर्जनों का आरोप था कि संदीप ने उधारी की रकम वापस कर दी थी, लेकिन इसके बाद भी डॉ. प्रदीप द्वारा उधारी की रकम पर 5 से 10 रुपए सैकड़ के हिसाब से ब्याज जोड़कर अतिरिक्त राशि की मांग की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक परिवर्जनों ने अपने बयानों में आरोप लगाया कि अतिरिक्त रकम नहीं देने पर पहले दिए गए खाली चेक में अधिक राशि भरकर उसे कोर्ट में लगाने और जेल भिजवाने की धमकी दी जाती थी। इसके अलावा गांव और घर पर आकर रुपए को लेकर बेइज्जती करने की धमकी तथा कथित प्रताड़ना की बात भी पुलिस को बताई गई। मर्ग जांच के निष्कर्ष में पुलिस ने एफआईआर में उल्लेख किया है कि इन परिस्थितियों से पेंशनर होकर संदीप पाटीदार द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई। पिपलियामंडी टीआईअ विक्रमसिंह इवने ने बताया मामले में 24 मई को संदीप का आत्महत्या के बाद पुलिस ने पहले इसे मर्ग के रूप में दर्ज कर जांच शुरू की।

इंदौर में गूजेगी राहुल गांधी और युवाओं की आवाज



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम %छात्रों की गुंज% को लेकर नीमच जिले में जिला कांग्रेस कमेटि द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम को लेकर जिले के युवाओं, छात्रों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने बताया कि नीमच जिले में राहुल गांधी जी के संदेश को व्यापकता के साथ हर जगह पहुंचाने के लिए जिले में विभिन्न स्थानों पर छात्रों की गुंज कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जहां कांग्रेसजन एवं युवा कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। नीमच जिले के नौ मुख्य स्थान पर जिसमें नीमच शहर, जीरन, मनासा, रामपुरा, कुकडेश्वर, जावद, रतनगढ़,सिंगोली और रेवली देवली में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई है। इन सभी स्थानों पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता और आम युवा एकत्र होकर राहुल गांधी जी के संबोधन का लाभ लेंगे। इसके साथ ही, इंदौर में रहकर अध्ययन कर रहे नीमच जिले के 200 से अधिक छात्रों का पूर्व में ही पंजीयन करवाकर इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराई गई है। वहीं नीमच जिले से भी युवा छात्र शनिवार प्रातः इंदौर के लिए रवाना होंगे, जो मूल कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। तरुण बाहेती ने बताया कि आज देश का युवा बदलाव चाहता है। मध्य प्रदेश में हुए व्यापम जैसे बड़े घोटालों, लगातार सामने आ रहे पेपर लीक प्रकरणों और पढ़ाई के बढ़ते तनाव के कारण प्रदेश के योग्य छात्र अपने मान-सम्मान से वंचित हुए हैं। देश और प्रदेश के इस माहौल में राहुल गांधी युवाओं और छात्रों की प्रमुख चिंताओं को उठाने जा रहे हैं, जिसके प्रति नीमच जिले के युवाओं में व्यापक उत्साह है।

शहीद अग्निवीर कृष्णपाल सिंह की स्मृति में उनके नाम पर काचरिया-बाबूखेड़ा मार्ग का नामकरण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया क्षेत्र के ग्राम बाबूखेड़ा निवासी शहीद अग्निवीर जवान स्वर्गीय कृष्णपालसिंह चौहान की स्मृति एवं जन्मदिवस के अवसर पर नगर परिषद पिपलिया मंडी ने श्रद्धांजलि स्वरूप काचरिया-बाबूखेड़ा मार्ग एवं चौराहे का नामकरण «शहीद कृष्णपाल सिंह मार्ग» किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद जवान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके त्याग, वीरता एवं राष्ट्रसेवा को याद किया गया। नामकरण कार्यक्रम में नगर परिषद पिपलिया मंडी की अध्यक्ष इंद्रा सुनील देवविया सहित नगर परिषद की पूरी टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम में राजपूत समाज संगठन तहसील मल्हारगढ़ के पदाधिकारी एवं सदस्य, राजपूत समाज संगठन नगर इकाई पिपलिया मंडी के पदाधिकारी-सदस्य तथा आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे समाजजन एवं वरिष्ठ नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए व नगर परिषद अध्यक्ष का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन राजपूत समाज संगठन नगर इकाई पिपलियामंडी ने किया। उपस्थित संचालजनों ने कहा कि मार्ग का नामकरण शहीद कृष्णपाल सिंह चौहान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी उनके राष्ट्रप्रेम, सेवा और बलिदान की स्मृति से प्रेरणा मिलेगी। नगर परिषद की ओर से काचरिया-बाबूखेड़ा मार्ग एवं चौराहे को «शहीद कृष्णपाल सिंह मार्ग» नाम दिए जाने से क्षेत्रवासियों में भी सम्मान और गौरव की भावना देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में शहीद कृष्णपाल सिंह चौहान को उपस्थितजनों ने शट-शूट नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

सम्पादकीय

विज्ञापन, अखबार और जवाबदेही का सवाल

अखबार के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित हर सामग्री पाठक के मन में एक विशेष विश्वसनीयता पैदा करती है। यही कारण है कि जब किसी विवादित व्यक्ति या संस्था के पक्ष में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित होता है और उसका प्रस्तुतीकरण समाचार या तथ्यात्मक पड़ताल जैसा दिखाई देता है, तो मामला केवल विज्ञापन और भुगतान तक सीमित नहीं रहता। वह मीडिया की विश्वसनीयता, संपादकीय विवेक और सामाजिक जवाबदेही से जुड़ जाता है।

12 सितंबर 2026 को ‘द हिन्दू’ के दिल्ली, मोहाली और उत्तर भारत के संस्करणों में ‘ एक डेरा’ से संबंधित एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित हुआ। इसी तरह का विज्ञापन ‘दैनिक भास्कर’ के दिल्ली संस्करण में भी प्रकाशित होने की रिपोर्ट सामने आई। विज्ञापन का शीर्षक था- ‘क्या है डेरा? तथ्य बनाम कल्पना’। इसमें डेरा और उसके प्रमुख जो जेल में बन्द ही के पक्ष में कई दावे तथा उनके विरुद्ध चल रहे मामलों को लेकर बचाव का पक्ष प्रस्तुत किया गया था।

विवाद बढ़ने के बाद ‘द हिन्दू’ ने 13 सितंबर को अपने प्रथम पृष्ठ पर बिना शर्त माफी प्रकाशित की। अखबार ने विज्ञापन को ‘आपत्तिजनक’ और ‘अत्यंत आपत्तिजनक’ बताते हुए पाठकों से क्षमा मांगी। 15 सितंबर को अखबार ने यह भी कहा कि वह विज्ञापन का बिल नहीं उठाएगा और उससे कोई व्यावसायिक लाभ नहीं लेना चाहता।

यहां से मीडिया की जिम्मेदारी पर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी सामग्री के प्रकाशन के बाद स्वयं प्रकाशक यह स्वीकार करता है कि वह सामग्री गंभीर रूप से आपत्तिजनक थी, तो स्वाभाविक प्रश्न है कि प्रकाशन से पहले उसकी जांच और मूल्यांकन की व्यवस्था कैसी थी? विज्ञापन विभाग और संपादकीय विभाग के बीच संस्थागत दूरी आवश्यक है, लेकिन क्या केवल यह दूरी किसी समाचारपत्र को प्रकाशित सामग्री के सामाजिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त कर देती है?

मुद्दा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि विज्ञापन साधारण उत्पाद या सेवा का प्रचार नहीं था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इसमें डेरा प्रमुख से जुड़े कानूनी मामलों, उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों और संस्था की सामाजिक गतिविधियों को लेकर पक्ष रखा गया था। विज्ञापन में डेरा की ओर से नशामुक्ति, रक्तदान, वृक्षारोपण और अन्य सामाजिक गतिविधियों से संबंधित आंकड़ों भी प्रस्तुत किए गए थे। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि विज्ञापन में दिखाई नहीं देती थी।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। समाचारपत्रों को विज्ञापन प्रकाशित करने का व्यावसायिक अधिकार भी है। लेकिन विज्ञापन को विज्ञापन के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित करना और पाठक को यह बताना कि उसके दावे विज्ञापनदाता के हैं, मीडिया संस्थान की जिम्मेदारी का केवल एक हिस्सा है। जब वही सामग्री प्रथम पृष्ठ पर, अखबार के नाम और प्रतिष्ठा के ठीक नीचे, समाचार-जैसे शीर्षकों और आंकड़ों के साथ प्रस्तुत होती है, तब पाठक के मन में उसके प्रभाव का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है।

विज्ञापन पर अस्वीकरण भी इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। संबंधित प्रकाशनों में यह उल्लेख किया गया था कि विज्ञापन की रचनात्मक सामग्री में अखबार की संपादकीय नीति पर अंतिम निष्कर्ष देने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न जरूर पैदा होता है—क्या बड़े समाचारपत्रों के पास संवेदनशील विज्ञापनों की स्वीकार्यता तय करने के लिए कोई स्पष्ट नैतिक कसौटी होनी चाहिए?

यह प्रश्न केवल ‘दैनिक जागरण’, ‘दैनिक भास्कर’ या ‘द हिन्दू’ का नहीं है।

है। कल कोई अन्य समाचारपत्र भी ऐसी स्थिति में हो सकता है। यदि मीडिया संस्थान केवल यह कहकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त कर दें कि ‘यह विज्ञापन था, समाचार नहीं’, तो धीरे-धीरे विज्ञापन और समाचार के बीच की रेखा पाठक के लिए धुंधली हो सकती है।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी पूंजी उसका पाठक-विश्वास है। विज्ञापन से मिलने वाली आय महत्वपूर्ण है, क्योंकि समाचारपत्रों के संचालन में आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। लेकिन व्यावसायिक आवश्यकता और सार्वजनिक विश्वसनीयता के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। विशेषकर ऐसे मामलों में, जिनमें न्यायलय में चले मामलों, गंभीर आरोपों या दंडित व्यक्तियों से जुड़े प्रश्न शामिल हों, विज्ञापन की भाषा और प्रस्तुतीकरण पर अतिरिक्त सावधानी अतिरिक्त है।

यहां मीडिया के सामने एक व्यावहारिक रास्ता भी हो सकता है। विवादित या संवेदनशील विज्ञापनों के लिए स्वतंत्र पूर्व-जांच व्यवस्था हो। ऐसे विज्ञापनों को प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित करने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक हो। तथ्यात्मक दावों और न्यायिक मामलों से संबंधित सामग्री में स्पष्ट रूप से लिखा जाए कि कौन-सा दावा विज्ञापनदाता का है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय का निर्णय मौजूद है, तो विज्ञापन के माध्यम से उस तथ्य को छिपाने या भ्रम पैदा करने की स्थिति न बने। और यदि बात में कोई गंभीर त्रुटि सामने आती है, तो केवल माफी ही नहीं, बल्कि पाठकों को यह भी बताया जाए कि गलती हुई कैसे।

चेतना से चैतन्य तक की यात्रा : सहजयोग



मनुष्य का जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों, सुख-सुविधाओं और भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है। उसके भीतर एक ऐसी शक्ति विद्यमान है, जो उसे स्वयं को जानने, अपनी वास्तविक पहचान को समझने और जीवन में गह्र और मध्य आय वर्ग के कामगारों की दिशा दिखाती है। इसी आंतरिक यात्रा को सहजयोग एक सहज और प्राकृतिक मार्ग प्रदान करता है।

हम सामान्यतः अपनी चेतना को

बाहरी संसार से जोड़कर देखते हैं। हमारी सोच, भावनाएँ, इच्छाएँ और अनुभव लगातार हमारे मन को प्रभावित करते रहते हैं। परिणामस्वरूप मनुष्य तनाव, चिंता, अस्तंतुलन और असंतोष का अनुभव करने लगता है। सहजयोग हमें इसी बाहरी भागदौड़ से कुछ क्षण हटकर अपने भीतर देखने की प्रेरणा देता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि इसमें आत्मसाक्षात्कार को किसी कठिन साधना के रूप में नहीं, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक अवस्था के रूप में समझाया जाता है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित सूक्ष्म तंत्र और अंतर्निहित आध्यात्मिक शक्ति के प्रति जागरूक होने का प्रयास करता है। जब मन धीरे-धीरे विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर निर्विचार शांति का अनुभव करता है, तब भीतर एक नई जागरूकता का अनुभव होने लगता है।

यही यात्रा चेतना से चैतन्य की ओर बढ़ने का प्रतीक है। चेतना हमें संसार का अनुभव कराती है, जबकि चैतन्य हमें अपने अस्तित्व के उस गहरे आयाम से जोड़ता है, जहाँ शांति, संतुलन और आत्मबोध का अनुभव संभव होता है। सहजयोग का ध्यान व्यक्ति को स्वयं के भीतर स्थित उस सूक्ष्म शक्ति से जुड़ने और अपने जीवन को अधिक संतुलित दृष्टि से देखने का अवसर देता है। आज की तेज गति वाली जीवनशैली में सहजयोग का महत्व और भी बढ़ जात है। कुछ समय शरीर होकर रथान का सवारी व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं को समझने में सहायता कर सकता है। इससे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन, आत्मविश्वास और आंतरिक संतुलन की भावना विकसित हो सकती है। वास्तविक परिवर्तन बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर परिवर्तन लाने से शुरू होता है। सहजयोग इसी अंतर्मुखी यात्रा की मित्रंघन है-एक ऐसी यात्रा जिसमें मनुष्य स्वयं को पहचानने की ओर बढ़ता है।

भाषा तब नहीं मरती जब उसके शब्द चुक जाते हैं; वह तब सूखने लगती है, जब लोग अपनी ही बोली बोलने में संकोच करने लगते हैं। इसलिए 19 सितंबर का निमाड़ी दिवस कोई तारीख़ भर नहीं, निमाड़ के स्वर को पहचानने और स्वाभिमान से जीने का दिन है। नर्मदा की लहरों से खेतों की मेड़ों तक, महेश्वर के घाटों से गाँव की चौपालों तक निमाड़ी केवल संवाद नहीं-मिट्टी में रची जीवन-दृष्टि है। अखिल निमाड़ लोक परिषद (अनिलोप) की पहल से जुड़ा यह दिवस किसी बोली को सम्मान देने भर का अवसर नहीं, बल्कि उस लोक-संस्कृति को नमन है, जिसने इतिहास, पुरातत्व, अध्यात्म और लोकजीवन को पीढ़ियों से सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रखा है। निमाड़ की स्मृति जब बोलती है, तो उसकी सबसे आत्मीय आवाज़ निमाड़ी में सुनाई देती है।

प्राचीन अनूप जनपद (जो नर्मदा घाटी के आसपास फैला था) से आज के खरगोन, खंडवा, बड़वानी और बुरहानपुर तक फैला निमाड़ भू-भाग नहीं, इतिहास और लोकजीवन का संगम है, जहाँ सदियों की स्मृतियाँ साँस लेती हैं। यहाँ नर्मदा केवल नदी नहीं, रेवा है; महेश्वर केवल नगर नहीं, प्राचीन महिम्पती की स्मृति है; और आँकेश्वर-मांथाता केवल तीर्थ नहीं, आस्था और पुराकथाओं के केंद्र हैं। महेश्वर-नगदाटोली (नावडोटोली) के पुरातात्विक अवशेष नर्मदा घाटी की ताम्रपाषाणकालीन सभ्यता की गहराई और निरंतरता के साक्षी हैं। इसी धरती पर आर्य और अनार्य सांस्कृतिक धाराएँ मिलीं और विशिष्ट लोकसंस्कृति आकार पाई, जिसमें गणगौर के गीतों की गूँज, भागोरिया हाट का

मजबूत होता सामाजिक सुरक्षा कवच

केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया है। कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के विस्तार की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। सरकार के अनुसार, इससे करीब 5.1 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा यानी भविष्य निधि के दायरे में आ सकेंगे। इससे कमियों के भविष्य निधि में नियोक्ताओं के अंशदान में भी वृद्धि होगी। महीने की पहली तारीख को वेतन मिलते ही एक आम कामगार के सामने कई जरूरतें कतार में खड़ी होती हैं। जैसे कि घर का किराया, राशन, बच्चों की स्कूल फीस, बिजली-पानी के बिल और घर के दूसरे खर्च। आज की कमाई से आज का घर चलाना उसकी पहली चिंता होती है, लेकिन एक सवाल हर महीने उसके साथ घर लौटता है कि कल का क्या होगा बीमारी आ गई, काम प्रभावित हुआ या उम्र ढलने लगी तो परिवार का सहारा कौन लेगा? संवेदनशील समाज को उसकी मानवीय जड़ों से जोड़ने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।

साहित्य केवल शब्दों का विधान्य नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों, संघर्षों, सपनों, संवेदनाओं और सत्य का कलात्मक अभिव्यक्त रूप है। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य के संबंध में उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों के प्रकाश की बात कही थी। प्रेमचंद का साहित्य इस दृष्टि का जीवंत उदाहरण है। उनकी रचनाओं में किसान, मजदूर, स्त्री, गरीब, शोषित और उपेक्षित मनुष्य केवल पात्र नहीं हैं, बल्कि अपने समय की सामाजिक सच्चाइयों के प्रतिनिधि हैं। ‘गोदान’ का होरी हो या ‘कफन’ के घीसू-माधव-इन पात्रों के माध्यम से प्रेमचंद ने समाज की उस वास्तविकता को सामने रखा, जिसे केवल आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। साहित्य मनुष्य को दूसरे मनुष्य के जीवन में प्रवेश करने की संवेदना देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर की साहित्य-दृष्टि में भी मनुष्य और उसकी मानवता का विशेष स्थान रहा। मनुष्य की वास्तविक शक्ति केवल उसकी बुद्धि, संपत्ति या बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसकी मानवीय चेतना में निहित है। साहित्य इसी चेतना को जागृत करता है। वह हमें यह सिखाता है कि दूसरे के आँसू केवल दूसरे के नहीं होते, किसी अनजान व्यक्ति का दुःख भी हमारी संवेदना को स्पर्श कर सकता है और किसी अपरिचित के संघर्ष में भी हम अपने जीवन की छाया देख सकते हैं। यही संवेदना साहित्य के सौंदर्यबोध को जन्म देती है। सुंदर वही साहित्य नहीं जो शब्दों में मधुर हो; सुंदर वह भी है जो मनुष्य के भीतर करुणा, विवेक और मनुष्यता का प्रकाश जगा दे। भारतीय संस्कृति में नैतिकता को जीवन का मूल आधार माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, प्रोपकार, क्षमा, संयम और सहिष्णुता जैसे मूल्य भारतीय चिंतन परंपरा में सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। ये मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों की सीमाओं में बंद नहीं रहे, बल्कि साहित्य ने उन्हें जन-जीवन तक पहुँचाया। गोस्वामी तुलसीदास ने ‘रामचरितमानस’ के माध्यम से सत्यदा, कर्तव्य, त्याग और आदर्श जीवन की अवधारणा को व्यापक जनमानस तक पहुँचाया। कबीर ने रूढ़ियों और पाखंड पर प्रहार करते हुए मनुष्य को प्रेम, सत्य और आत्मचिंतन की राह दिखाई। भक्ति साहित्य ने जाति, वर्ग और बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर मनुष्य के भीतर स्थित ईश्वर और मानवता की खोज की।

साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, बल्कि अनेक बार उसका मार्गदर्शक भी होता है। यह केवल एक साहित्यिक उक्ति नहीं, बल्कि मानवीय सभ्यता के अनुभवों से निकला सत्य है। साहित्य समाज को यह देवने की दृष्टि देता है कि वर्तमान में क्या हो रहा है और उसके भीतर क्या होना चाहिए। वह प्रश्न करता

अमेरिका की नई पैँतरबाजी से डरने की जरूरत नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा की रोशनी से जगमगाई 65 गौशालाएँ

बीमार गोवंश के लिए बमनोहर जायसवाल से मिला अनोखा उपहार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ लोग केवल जीवन नहीं जीते, बल्कि अपने निस्वार्थ सेवा कार्यों से समाज और मानवता के हृदय पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं। जब पूरा देश भारत के 76वें जन्मदिवस पर दीप जलाकर खुशियाँ मना रहा था, उसी अवसर पर बदनावर के प्रसिद्ध उद्यमी एवं गोभक्त मनोहर जायसवाल ने सेवा, संवेदना और जीवदया की एक ऐसी अनूठी मिसाल पेश की, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया।

मनोहर जायसवाल ने अपने दिवंगत पिता स्व. श्री अमृतलाल जी जायसवाल की पुण्य स्मृति में और माननीय प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु जीवन की



कामना के साथ देश भर की 65 गौशालाओं को बीमार गोवंश को उठाने वाली विशेष %लिफ्ट मशीनें% दान कीं। मनोहर जायसवाल का गौमाता के प्रति यह अनुराग केवल किसी विशेष अवसर तक सीमित

नहीं है। वे प्रतिदिन तड़के 4 बजे से ही गौमाता की सेवा में लग जाते हैं। अपने हाथों से गौमाता को पेट भरकर गुड़ खिलाता, उनका दुलार करना और अपने बच्चों की तरह उनकी देखभाल करना उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। उनके मन में गोवंश के प्रति जो

अटूट वात्सल्य और करुणा है, वह देखने वालों को अभिभूत कर देती है। इस पुनीत और भव्य अवसर पर महामंडलेश्वर निर्मोही अखाड़ा के संत राधे-राधे बाबा, बालकृष्ण शास्त्री, मुल्लथान

महाराज रघुवीर सिंह, एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर, तथा महाराष्ट्र गौसेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश जी सहित अनेक संत-महात्मा, पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्यजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने जायसवाल परिवार के इस सेवा कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की और साधुवाद दिया। गौशालाओं में अक्सर देखा जाता है कि बीमार, वृद्ध या दुर्घटनाग्रस्त गोवंश जब जमीन पर गिर जाते हैं, तो उन्हें उठाना और उपचार देना अत्यंत कठिन हो जाता है। इस लिफ्ट मशीन जिसकी लागत लगभग 35,000 है इसके माध्यम से असहाय गौमाता को बिना किसी पीड़ा के सहजता और सुरक्षा से उठाकर उनका तुरंत उपचार किया जा सकता है। पिछले वर्ष भी मनोहर जायसवाल जी द्वारा 36 मशीनें वितरित की गई थीं। इस वर्ष 65 नई मशीनें जुड़ने के

साथ ही उनके द्वारा दान की गई कुल लिफ्ट मशीनों की संख्या 101 हो गई है। धन तो हर कोई कमाता है, लेकिन उस धन का एक अंश मूक और असहाय जीवों की सेवा में लगा देना ही कमाई को वास्तविक अर्थ में पुण्यकारी और सार्थक बनाता है। गौमाता के प्रति जायसवाल परिवार की यह करुणा और समर्पण पूरे समाज के लिए एक उत्कृष्ट और प्रेरणादायी उदाहरण है। इस पावन अवसर पर पूरे नगर एवं क्षेत्रवासियों की ओर से मनोहर जायसवाल, पुत्र राहुल, विशाल जायसवाल के इस सेवा-सत्कार्य का हृदय से अनुमोदन, साधुवाद एवं हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त की जा रही हैं। जायसवाल परिवार की यह सेवा भावना निरंतर आगे बढ़ती रहे और समाज के हर व्यक्ति को जीवदया के इस पुण्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहे।

15 अक्टूबर को निकलेगी धार में कलोता समाज शक्ति संगठन की भव्य चुनरी यात्रा



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री क्षत्रिय कलोता समाज युवा शक्ति संगठन द्वारा आगामी 15 अक्टूबर को धार में भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा को लेकर संगठन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने के लिए युवा शक्ति संगठन के सदस्य गांव-गांव पहुंचकर समाजजनों के साथ बैठकें कर रहे हैं और यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान कर रहे हैं। इसी क्रम में युवा शक्ति संगठन के साथियों ने मां गढ़ कालिका माताजी को चुनरी यात्रा का निमंत्रण दिया। धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित होने वाली यह यात्रा त्रिमूर्ति चौराहे से प्रारंभ होकर हाटवाड़ा एवं नित्यानंद आश्रम होते हुए मां गढ़ कालिका धाम पहुंचेगी। गढ़ कालिका धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं द्वारा मां गढ़ कालिका माताजी को चुनरी अर्पित की जाएगी। संगठन द्वारा यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। युवा शक्ति संगठन के सदस्यों ने समाज के सभी लोगों से इस धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर यात्रा को भव्य बनाने की अपील की है।

पीएम मित्र पार्क प्रभावितों ने निकाली सद्बुद्धि यात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम मित्र पार्क और औद्योगिक क्षेत्र से प्रभावित ग्रामीणों, किसानों और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा तथा बदनावर क्षेत्र के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर शुक्रवार को एक विशाल %सद्बुद्धि यात्रा% का आयोजन किया गया। यात्रा संयोजक एवं युवा नेता सचिन पाटीदार के नेतृत्व में यह यात्रा सुबह 10 बजे ग्राम भैंसोला से बाइक रैली के रूप में शुरू हुई। भैंसोला से शुरू होकर यात्रा प्रसिद्ध बाबा बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंची। यहाँ जनसमूह की उपस्थिति में युवा नेता सचिन पाटीदार ने भगवान बैजनाथ महादेव के चरणों में बदनावर क्षेत्र का अंतिम 'न्याय पत्र' पढ़ा। भगवान के समक्ष गुहार लगाते हुए पाटीदार ने



कहा कि जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार नेताओं के मौन रहने तथा हर प्रशासनिक दरवाजा खटखटाने के बाद जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तब वे न्याय की आस में महादेव के दरबार आए हैं। न्याय पत्र के माध्यम से तीन मुख्य प्रार्थनाएं की गईं - जनप्रतिनिधियों को सद्बुद्धि दे जो सत्ता में बैठे नेताओं और प्रतिनिधियों

की चुप्पी टूटे और वे जनता के प्रति जवाबदेह बनें। प्रशासन में संवेदना हो - प्रशासनिक अधिकारी कागजी फाइलों से ऊपर उठकर इंसानों के हक और वजूद को प्राथमिकता दें। पीड़ितों को संबल - भैंसोला से लेकर पूरे बदनावर क्षेत्र के बेदखल हो रहे किसानों, मजदूरों और आदिवासियों को अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए शक्ति और सुरक्षा मिले। मंदिर में पूजन-अर्चन और प्रार्थना के बाद यात्रा बदनावर एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां प्रशासनिक अधिकारियों के सामने क्षेत्रवासियों ने अपनी बात रखी और 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मांग पत्र और भाषण के दौरान पाटीदार ने

कहा की पीएम मित्र पार्क के कारण दशकों और पीढ़ियों से खेती कर रहे किसानों और आदिवासियों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा है। बिना पट्टे का हवाला देकर कई परिवारों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। पाटीदार ने पीड़ितों के पुनर्वास रहने के स्थान और न्यायसंगत मुआवजे की मांग करते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 जीने का अधिकार का कड़ाई से पालन करने को कहा गया। क्षेत्र में हो रही अनियंत्रित ब्लास्टिंग से गरीबों के मकानों में दरारें आ रही हैं तथा किसानों के खेत व सिंचाई की पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी हाथों में न्याय, अधिकार, पुनर्वास के बैनर-पोस्टर लेकर शामिल हुए।

निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज शनिवार को जिला व अपर सत्र न्यायालय परिसर में तहसील विधिक सेवा समिति बदनावर एवं सहयोग सेवा संस्था व जेपीटी सरदार पटेल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में डॉ अजय पाटीदार एमडी मेडिसिन, डॉ जितेश जायसवाल एमबीबीएस एमएस हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ विनीशा मोदी एमएस स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ मोहित जैन एमबीबीएस एमएस जर्नल एंड लैक्टोस्कोपी सर्जन, डॉ यश कपाड़िया एमबीबीएस सामान्य रोग विशेषज्ञ, डॉ रानी जायसवाल मेडिकल ऑफिसर, डॉ राहुल बारोड मेडिकल ऑफिसर, डॉ खुशी वर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ शुभम पाटीदार दंत चिकित्सक, डॉ रामगोपाल वर्मा नेत्र रोग, डॉ राजेश सोंधिया दंत चिकित्सक, डॉ रजनीश पाटीदार नेत्र सहायक अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर की जांच की जाएगी। यहां आवश्यकता अनुसार दवाइयां व नंबर के चश्मे वितरित किए जाएंगे। तहसील विधिक सेवा समिति ने अधिक से अधिक लोगों से स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है।

मूलथान में 7100 दीपों से जगमगाया परिसर, अतिथियों ने किया दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मूलथान में ग्राम पंचायत एवं भाजपा ग्रामीण मंडल के संयुक्त तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7100 दीप प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्षों तक देश की सेवा की है। जनता उनके सम्मान और देश सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए दीप प्रज्वलित कर रही है। यह दीप केवल शुभकामना का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता के सम्मान और स्नेह की अभिव्यक्ति है। कार्यक्रम में भाजपा नेता शिवरामसिंह रघुवंशी, रजनीश मालवीय, हितेंद्र सिंह राजपुरोहित, कमलेश पटेल, जनपद सदस्य दिनेश एवं कैलाश पटेल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गायत्री एकेडमी एवं गुरुकुल आश्रम अभयपुर के दो होनहार खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नीमच में 9 सितम्बर को आयोजित संभाग स्तरीय जूडो शालेय खेल प्रतियोगिता में गायत्री एकेडमी एवं गुरुकुल आश्रम अभयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इन दोनों खिलाड़ियों ने पदक जीते और आगामी राज्य स्तर प्रतियोगिता जबलपुर के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

प्रतिभा का सम्मान
शिक्षा को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत

मेधावी विद्यार्थियों को
स्कूटी वितरण

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
19 सितम्बर 2026
शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उ. मा. विद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल

अब तक
23000 से अधिक
विद्यार्थियों को
मिला लाभ

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

jansamparkMP

अकोदिया नव मध्य प्रदेश के
अनुभव करने के लिए QR को स्कैन करें

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

D11119/26

उज्जैन में 33 लाख दीयों की रोशनी पर सियासी घमासान

नेता प्रतिपक्ष रवि राय का आरोप-कर्ज में डूबी सरकार ने पीएम के जन्मदिन पर लुटाया खजाना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को उज्जैन में हुए भव्य दीपोत्सव के अगले दिन आयोजन को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने 33 लाख दीये जलाने के आयोजन को सरकारी धन की बर्बादी बताते हुए प्रशासन पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि कर्ज में डूबी सरकार ने एक व्यक्तिगत जन्मदिन समारोह पर सरकारी खजाना खोल दिया, जबकि शहर में आम लोगों के काम प्रभावित हो रहे हैं। राय ने आरोप लगाया कि खैरिच्छक सेवा के नाम पर सरकारी अमले पर दबाव बनाया गया। छोटे बच्चों, बटुकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी आयोजन की तैयारियों में लगाया गया। उनके अनुसार, सुबह 11 बजे से लोगों को धूप में खड़ा रखा गया और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से दीये तक धुलवाए गए। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह से नगर निगम के कई

महानंदानगर में कार के कांच फोड़ने वाले युवक पकड़ये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महानंदानगर में 13 सितंबर को तड़के 4 बजे बाइक पर सवार आधा दर्जन युवकों ने बैंककमी की कार के कांच फोड़ दिये थे। युवकों की बाइक का नम्बर सामने आने पर पुलिस ने गुरुवार को 3 नाबालिगों के साथ 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। नानाखड़ा थाना पुलिस ने बताया कि 13 सितंबर को महानंदानगर में रहने वाले बैंककमी अर्पित पिता सोहनलाल पंड्या ने तड़के 4 बजे घर के बाहर शोर-शराब होने की आवाज सुनी थी, वह बाहर निकलकर आये, कुछ युवक हंगामा कर रहे थे। उन्होंने हंगामा करने की वजह पूछी तो युवकों ने घर के बाहर खड़ी कार पर पथराव कर कांच फोड़ दिये थे और भाग निकले थे। अर्पित ने एक बाइक का नम्बर देख लिया था और सुबह लिखित शिकायत आवेदन के माध्यम से की थी। पुलिस ने मामला जांच में लिया था। बाइक नम्बर के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास शुरू कर गुरुवार को 3 नाबालिगों के साथ मंथन हिरवे निवासी अलखधाम नगर, ईशान यादव महावीर बाग और वेदाश कुमावत निवासी अवंतिपुरा का गिरफ्तार किया गया। सभी 6 युवक 3 गाड़ियों पर सवार होकर महानंदानगर पहुंचे थे। पूछताछ में उनका कहना था कि वह चाय पीने देवासगेट जा रहे थे, साथी रास्ता भटक गये थे, जिसके चलते आवाज लगा रहे थे, गलती से कार के कांच फोड़ दिये थे। पुलिस के अनुसार सभी को नोटिस तामिल कराकर रिहा गया है। 6 सितंबर की रात मकसीरोड किशनपुरा मार्ग पर नगर निगम जोन के पास खड़ी कार के कांच भी अज्ञात बदमाशों ने फोड़ दिये थे। कार मालिक ने मामले की शिकायत माधवनगर थाना पुलिस को दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस अब तक कांच फोड़ने वाले बदमाशों का पता नहीं लगा पाई है।

धर्म बांधता नहीं... मुक्त करता है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रोड स्थित गीता भवन में चल रही तीन दिवसीय युवा धर्म संसद के दूसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ससंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं को धर्म की भारतीय अवधारणा समझाई।उन्होंने कहा कि धर्म का उद्देश्य व्यक्ति को बांधना नहीं, बल्कि उसे बंधनों से मुक्त करना है। भागवत ने धर्म और रिलिजन के अंतर को समझाते हुए कहा कि दोनों को एक मानना उचित नहीं है। अंग्रेजी में धर्म के लिए कोई ऐसा सटीक शब्द नहीं है, जो इसके व्यापक अर्थ को पूरी तरह व्यक्त कर सके। उनके अनुसार ‘रिलिजन’ शब्द की उत्पत्ति रिलिजियो से हुई है, जिसका संबंध बांधने की अवधारणा से है, जबकि भारतीय चिंतन में धर्म व्यक्ति को मुक्ति का मार्ग दिखाता है। संघ प्रमुख ने युवाओं को सीखने की प्रक्रिया से जोड़ते हुए कहा कि किसी नए विचार या जिज्ञासा का समाधान पाने के लिए सबसे पहले मन को स्थिर और खाली करना जरूरी है। जब तक पुरानी बातें और धारणाएं दिमाग में भरी रहेंगी, तब तक नया सीखना संभव नहीं होगा। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए भारत को धर्मप्राण देश बताया। भागवत ने धर्म को केवल कर्मकांड तक सीमित मानने के बजाय जीवन और समाज को दिशा देने वाली व्यापक अवधारणा के रूप में समझाया। युवा धर्म संसद में देशभर से करीब 1700 छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इनके अलावा 300 से अधिक विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य भी अलग-अलग सत्रों में शामिल हैं। प्रसिद्ध प्रोफेसरा लेखक एवं गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। तीन दिवसीय आयोजन में धर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा के साथ कुत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना और विचार के संघर्ष जैसे समसामयिक विषयों पर भी संवाद और व्याख्यान हो रहे हैं। आयोजन का केंद्र युवाओं को भारतीय दृष्टि से धर्म, विचार और वर्तमान चुनौतियों को समझने का अवसर देना है।

11वीं की छात्रा ने खाया जहर, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 11वीं कक्षा की छात्रा ने गुरुवार को जहर खा लिया था परिजन उसे उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे रात में छात्र की मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी अनुसार घंटिया तहसील के ग्राम जलवा से पायल पिला गणेश 17 वर्ष को गंभीर हालत में चक्र अस्पताल लया गया था। पायल ने जहरीला पदार्थ खाया था उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी डॉक्टरों ने आईसीयू में भर्ती किया लेकिन रात में उसकी मौत हो गई। मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है परिजनों का कहना था कि पायल कक्षा 11वीं की छात्रा थी पिता ड्राइवर है जो घर पर नहीं थे मां भी प्राइवेट काम करने जाती है।

कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारी आयोजन की तैयारियों में लगे रहे, जिससे आम जनता अपने काम के लिए परेशान होती रही।

लाखों दीये जलाना केवल दिखावा- नेता प्रतिपक्ष ने आयोजन के धार्मिक औचित्य पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि दीप भरावान के पूजन और अंधकार दूर करने का प्रतीक है, लेकिन जब पूरा घाट बिजली की रोशनी से जगमगा रहा था, तब लाखों दीये जलाना केवल प्रदर्शन बनकर रह गया। राय ने दावा किया कि आयोजन के अगले दिन गरीब लोग जले हुए दीयों से बचा तेल तक बीनते नजर आए। उन्होंने कहा कि यह दृश्य बताता है कि एक तरफ करोड़ों रुपए के आयोजन हो रहे हैं और दूसरी तरफ गरीब परिवार छोटी-छोटी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जन्मदिन मनाना था तो भाजपा अपने खर्च पर करती-कांग्रेस नेता रवि राय ने सवाल उठाया कि यदि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर

नितिन नवीन के रथ से उतारे गए उज्जैन महापौर, अब अंबेडकर प्रतिमा के सामने बैठेंगे

महापौर टटवाल बोले- अगवानी के लिए बुलाया था, पदाधिकारियों ने ही रथ पर बैठाया- कुछ देर बाद उतरने को कहा..

महापौर टटवाल रथ से उतरते हैं

महापौर टटवाल रथ से उतरते हैं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के उज्जैन में रोड-शो के दौरान महापौर मुकेश टटवाल को रथ से नीचे उतारे जाने का मामला अब पार्टी के भीतर से निकलकर सामाजिक स्तर पर पहुंच गया है। महापौर ने इस घटनाक्रम पर नाराजगी जताते हुए 20 सितंबर को सुबह 11 बजे फ्रीगंज स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास बैठने की घोषणा की है।

शुक्रवार को बागपुर के संत बालीनाथ मंदिर में हुई बेरवा समाज की बैठक में भी यह मुद्दा उठा। समाजजनों ने महापौर के साथ हुए व्यवहार की निंदा करते हुए 20 सितंबर को उनके साथ बैठने का निर्णय लिया।

हेलीपैड से रथ तक... फिर उतरने को कहा- महापौर टटवाल के मुताबिक वे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अगवानी के लिए हेलीपैड पहुंचे थे। उनका कहना है कि भाजपा जिला प्रभारी बजरंग पुरोहित और कार्यक्रम प्रभारी जयपाल सिंह चावड़ा ने उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ रथ पर बैठने के लिए कहा था। इसके बाद वे विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के साथ रथ पर सवार हुए। टटवाल

का कहना है कि रथ कुछ दूर चला ही था कि उन्हें नीचे उतरने के लिए कह दिया गया। महापौर के मुताबिक उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों को दी है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी मामले से अवगत कराने की बात कही है।

प्रोटोकॉल सूची ने बढ़ाया विवाद- घटना के बाद रथ पर सवार होने वाले नेताओं की प्रोटोकॉल सूची को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि हेलीपैड से रथ पर सवार होने वाले नेताओं की सूची में महापौर का नाम नहीं था। हालांकि शिप्रा तट पर बनाए गए मंच की सूची में उनका नाम शामिल था।

महापौर से जब सूची में नाम नहीं होने के बावजूद रथ पर सवार होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें सूची की जानकारी नहीं है। उनका कहना था कि उन्हें रथ पर बैठने के लिए कहा गया था और बाद में नीचे उतरने के लिए कहा गया।

रथ पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ये नेता थे- रोड-शो के दौरान रथ पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रभारी मंत्री

नगर निगम की तेज रफ्तार गाड़ी दुकान में घुसी, शटर-दीवार चकनाचूर

अंकपात मार्ग पर सुबह 5 बजे हादसा- दो स्कूटर और फल का ठेला भी चपेट में आए



गारमेंट्स दुकान संचालक 57 वर्षीय कमल पोरवाल ने पुलिस को बताया कि वे

रात में दुकान के अंदर ही सो रहे थे। सुबह करीब 4ः50 बजे अचानक शटर से जोरदार टक्कर की आवाज आई। नींद खुलने पर बाहर आए तो नगर निगम का वाहन दुकान और पास खड़े फल-फ्रूट के ठेले से टकराया हुआ था। टक्कर इतनी तेज थी कि दुकान का शटर, कालम, ओटला और

दीवार तक टूट गई।

वाहन में दो लोग थे, एक घायल-

जीवाजीगंज पुलिस के अनुसार नगर निगम के वाहन क्रमांक रब्ला 36705 में हादसे के समय दो लोग सवार थे। इनमें से एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से चला गया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

डायल-112 को दी सूचना, मामला दर्ज- हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। डायल-112 के पहुंचने के बाद घायल को अस्पताल भेजा गया। कमल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में विशेष टीकाकरण कैचअप सत्रों का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार «सेवा संकल्प अभियान-» के अंतर्गत बच्चों के नियमित टीकाकरण को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में विशेष टीकाकरण कैचअप सत्रों का आयोजन किया जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 में मिशन इन्द्रधनुष के तहत नियमित टीकाकरण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में अप्रैल से अगस्त 2026 तक पेंटावैलेंट-1, एमआर-1 एवं एमआर-2 टीकों की उपलब्धि में अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले



चिन्हित क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि विशेष टीकाकरण कैचअप सत्रों के लिए ऐसे ग्रामों को चिन्हित किया गया है, जहां जनसंख्या 1,000 या उससे अधिक है अथवा जहां 3 से 5 बच्चे पेंटावैलेंट-1, एमआर-1

सिंहित क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि विशेष टीकाकरण कैचअप सत्रों के लिए ऐसे ग्रामों को चिन्हित किया गया है, जहां जनसंख्या 1,000 या उससे अधिक है अथवा जहां 3 से 5 बच्चे पेंटावैलेंट-1, एमआर-1

निरिक्षण के दौरान संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रीशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा सहित नगर निगम एवं उज्जैन विकास प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसीएस श्री दुबे ने बड़नगर रोड स्थित श्री उजड़खेड़ा हनुमान मंदिर मार्ग पर निर्माणाधीन सिंहस्थ बायपास मार्ग का

निरिक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने सिंहस्थ मेला क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। मंगलनाथ मार्ग एवं खाक चौक क्षेत्र में किए जा रहे सीवर लाइन कार्यों का भी जायजा लिया गया अधिकारियों से कार्य की प्रगति, पूर्णता की समय-सीमा एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गदा पुलिस-हनुमान नाका से हरिफाटक ब्रिज होते हुए केवलू कारखाना तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। साथ ही नानाखेड़ा चौराहा से शांति पैलेस तक फोरलेन मार्ग निर्माण तथा सांदीपनि चौराहा से लक्ष्मीनगर चौराहा तक मार्ग

दीपोत्सव में उज्जैन जिले में जले 38 लाख 24 हजार दीप

महाकाल लोक-रामघाट पर अकेले 33.27 लाख दीपों से रोशन हुआ शिप्रा तट- जनपदों और नगरीय निकायों में भी हुआ आयोजन



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को उज्जैन जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत दीपोत्सव मनाया गया। महाकाल लोक, रामघाट सहित जिले की सभी जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों में कुल 38 लाख 24 हजार 16 दीप प्रज्वलित किए गए। शाम होते ही हजारों दीपों की रोशनी से उज्जैन का धार्मिक और

ग्रामीण अंचल जगमगा उठा। इस दौरान महाकाल लोक-रामघाट पर 33.27 लाख दीप आयोजन का सबसे बड़ा केंद्र महाकाल लोक और रामघाट रहा। यहां 33 लाख 27 हजार 125 दीप जलाए गए। दीपों की कतारों से शिप्रा तट और महाकाल परिसर का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने दीप प्रज्वलन में भागीदारी की।

भस्म आरती में डेढ़ घंटे नंदी हॉल में बैठे नितिन नवीन



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आज शुक्रवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर दर्शन किए। वे सुबह करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे और नंदी हॉल से भस्म आरती के दर्शन किए। करीब डेढ़ घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर उन्होंने आरती देखी। इस दौरान वे भक्ति में लीन नजर आए।

आरती के बाद नितिन नवीन ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उनके साथ सांसद अनिल फिरोजिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि नितिन नवीन गुरुवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर उज्जैन में आयोजित दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम के बाद उन्होंने रात उज्जैन में ही बिताई। मंदिर के समीप स्थित हैरिटेज में ठहरने के बाद सुबह भस्म आरती के लिए रवाना हुए। सुबह मंदिर पहुंचने के बाद उन्होंने नंदी हॉल से बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए। भस्म आरती की पूरी प्रक्रिया के दौरान वे काफी देर तक नंदी हॉल में बैठे रहे। आरती के बाद मंदिर से बाहर निकलते समय उन्होंने भगवान महाकाल के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए देश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

ऑनलाइन क्रिकेट सहे का पर्दाफाश, 1.98 लाख बरामद



पोरवाल की शिकायत पर जीवाजीगंज पुलिस ने बीएनएस की धारा 281 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस वाहन की गति, चालक की भूमिका और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सीसीटीवी में कैद हुआ पूरा हादसा- घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस के लिए अहम साक्ष्य बन गया है। फुटेज में नगर निगम का वाहन तेज गति से आता हुआ दिखाई देता है और सीधे दुकान से टकरा जाता है। टक्कर के बाद दुकान के बाहर रखा सामान और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट मैच पर सट्टा संचालित करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दयानंद कॉलोनी की गली नंबर-3 में छत पर बने कमरे में चल रहे सट्टे के दौरान पुलिस ने 1,98,500 नकद, 2 लैपटॉप और 7 एंड्रॉयड मोबाइल समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए। दो आरोपी गिरफ्तार अमन जैन (25) और उसके पिता अनिल जैन (52), निवासी दयानंद कॉलोनी नागदा, को पुलिस ने मौके से पकड़ा। दोनों भारत अफगानिस्तान मैच पर ऑनलाइन क्रिकेट मैच के दौरान कितने रन बनेंगे, विकेट गिरना या खिलाड़ी आउट होगा-इन पर हार-जीत का दांव लगाया जा रहा था।

सूटे का पूरा सेटअप जव्त- 2 लैपटॉप, 7 मोबाइल, की-बोर्ड, चार्जर और 21.98 लाख नकद जब्त किए गए। मामले में अपराध क्रमांक 530/2026 के तहत धारा 4(क) पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

महत्व की जानकारी दी जाएगी। बच्चों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक टीके लगाए जाएंगे। विशेष सत्रों के दौरान संबंधित स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी की जाएगी। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने जिले के अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के टीकाकरण कार्ड की जांच करें। यदि किसी बच्चे का कोई टीका छूट गया है अथवा लंबित है, तो निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र या टीकाकरण सत्र में पहुंचकर उसका टीकाकरण अवश्य कराएं। बच्चों को समय पर सभी आवश्यक टीके लगवाना उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चौड़ीकरण कार्य की भी समीक्षा की। समय-सीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश-एसीएस श्री दुबे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व-2028 की दुष्टि से महत्वपूर्ण सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता हो। प्रत्येक कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान भविष्य की आवश्यकताओं

को भी ध्यान में रखा जाए, ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

आपसी समन्वय से समय पर पूर्ण हों अधोसंरचना विकास कार्य- एसीएस श्री दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के लिए उज्जैन में विकास एवं अधोसंरचना से जुड़े कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। सिंहस्थ की व्यापक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।



युवा, मध्यप्रदेश के सामर्थ्य का जीवन्त प्रतीक हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को, निवेश और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया था, वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष है और अब इसे आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में, मनाने का निर्णय लिया है। युवाओं के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास और कल्याण के लिए, मोहन सरकार ने इन्द्रधनुषी रणनीति का निर्माण किया है, जिसके 07 महत्वपूर्ण स्तंभ हैं-

राज्य सरकार ने 85 हजार से अधिक युवाओं की. शासकीय सेवाओं में नियुक्तियां की है। इसी प्रकार अगले 01 वर्ष में 01 लाख से अधिक युवाओं को आईटीआई में तथा प्रतिवर्ष 10 हजार युवाओं को ग्लोबल स्किल पार्क में कौशल प्रशिक्षण दिलाने का काम करेगी। कौशल विकास के अंतर्गत, मध्यप्रदेश में एक अलग प्लेसमेंट सेल बनाया जाएगा, जो

रणनीति के 7 महत्वपूर्ण स्तंभ

➤ गुणवत्तायुक्त शिक्षा

➤ कौशल विकास

➤ उद्यमिता एवं स्वरोजगार

➤ सार्वजनिक एवं

निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर

➤ स्टार्टअप को सहयोग

➤ खेल, कला, संस्कृति, शोध एवं अनुसंधान प्रोत्साहन

➤ नेतृत्व क्षमता विकास

उद्योग और सरकार के बीच, एक कड़ी का काम करेगा।

उद्यम पोर्टल पर विगत ढाई वर्षों में, 3 लाख 34 हजार से अधिक विनिर्माण ईकाईयां पंजीकृत हुई, जिनमें 33 लाख 80 हजार युवाओं को, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। वृहद औद्योगिक ईकाईयों में भी, 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है।

राज्य सरकार अगले ढाई वर्ष में, उन युवाओं पर विशेष रूप से फोकस करने जा रही है, जो किसी कारण से 10वीं की परीक्षा में

उत्तीर्ण नहीं हो पाए अथवा जिन्होंने 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी है। ऐसे युवाओं के हाथ में हुनर देकर, उन्हें इतना सशक्त बनाया जाएगा कि वे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश और विदेश जाकर भी रोजगार प्राप्त कर सकें।

युवाओं को केन्द्र में रखकर, MSME और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई गति देने के लिए प्रदेश में मध्यप्रदेश M S M E विकास नीति 2025', 'स्टार्टअप नीति एवं कार्यान्वयन योजना 2025' नीति लागू की गई। वर्तमान में लगभग 8 हजार स्टार्टअप संचालित हैं, इसमें से 50 प्रतिशत स्टार्टअप का नेतृत्व, नारी शक्ति, कर रही है। प्रदेश के हर जिले में, कम से कम एक इंक्यूबेशन सेंटर बनाया जायेगा। आगामी ढाई वर्षों में स्टार्ट-अप की संख्या 12 हजार से अधिक

और 100 नवीन इन्क्यूबे शन सेंटर की स्थापना करने का लक्ष्य है। 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर, को-वर्किंग स्पेस तैयार किए जाएंगे। युवा पीढ़ी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, एआई, स्पेसटेक और ग्रीन मैनुफैक्चरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में, एमएसएमई की भागीदारी को अनिवार्य रूप से बढ़ाया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित न्यायालयीन मामलों की, त्वरित सुनवाई और निराकरण के लिए, राज्य सरकार ने 04 'फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का भी निर्णय लिया है।



18.95 लाख जनजातीय विद्यार्थियों को 189 करोड़ छात्रवृत्ति

3.18 लाख जनजातीय विद्यार्थियों को 556 करोड़ की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति



प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना कक्षा 01 से 10 में वर्ष 2003 से अभी तक लगभग 3,96,24,580 (तीन करोड़ छियानवे लाख चौबीस हजार पांच सौ अस्सी) एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अंतर्गत वर्ष 2003 से वर्ष 2025-

26 तक लगभग 58,02,143 (अठ्ठावन लाख दो हजार एक सौ तिरालीस) इस प्रकार लगभग 4,54,26,723 (चार करोड़ चौवन लाख छब्बीस हजार सात सौ तेईस) विद्यार्थियों लाभान्वित किया गया है।

51 विद्यार्थियों को विदेशों में अध्ययन के मौके

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत विदेश में अध्ययन के लिए प्रति विद्यार्थी, प्रतिवर्ष 40 हजार यू.एस. डॉलर कोचिंग शुल्क एवं 10 हजार यू.एस. डॉलर जीवन निर्वाह भत्ता एवं अन्य आकस्मिक भत्ते हेतु राशि प्रदान की जाती है।

विगत 09 वर्षों में 51 विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन स्थित विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन प्राप्त किया जा रहा है।

छात्रावास जनजातीय कार्य विभाग द्वारा कुल 2671 छात्रावास एवं आश्रम शालाओं का संचालन किया जा रहा है जिसके लिए वित्तीय

वर्ष 2026-27 हेतु राशि रुपये 7 सौ 27 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है। परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर 10 परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र हेतु भवन स्वीकृत किये गये हैं।

प्रतिभा योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित संस्थाओं IIT, NIT, NLIU, शासकीय मेडिकल कॉलेज में चयन होने पर पुरस्कार राशि प्रदाय की



जाती है। इस योजना में वर्ष 2025-26 में 272 विद्यार्थियों को राशि रुपये 71 लाख वितरित की गई। मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसीडेंशियल एकेडमिक सोसायटी के द्वारा 71 एकलव्य आदर्श आवासीय, 82 माता शबरी

आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं 08 आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में 61 हजार से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है।

पिछड़ा वर्ग के 5 करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

13 हजार करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के हर स्तर पर अभूतपूर्व प्रोत्साहन और वित्तीय

सहयोग मिल रहा है। पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा से विदेश अध्ययन के लिये छात्रवृत्ति, निःशुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण जैसी महत्वपूर्ण

योजनाओं में पिछले 15 वर्षों में 13 हजार 156 करोड़ 51 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई है। योजनाओं से लगभग 5 करोड़ 34 लाख 39 हजार 54 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति से मदद

स्कूली स्तर पर ड्राप-आउट दर को समाप्त करने और बच्चों की पढ़ाई निरंतर बनाए रखने के लिए संचालित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक पिछड़ा वर्ग के 4 करोड़ 50 लाख से अधिक

विद्यार्थियों को ₹ 2,535 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले होनहारों को 'प्रावीण्य (मेधावी) छात्रवृत्ति योजना' के तहत पिछड़ा वर्ग के 2,185 विद्यार्थियों को 1 करोड़ 69 लाख रुपये की राशि दी गई है। उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में कॉलेज स्तर के छात्रों को राहत देते हुए 'पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना' के तहत वर्ष 2012-13 से 2026-27 के दौरान इसी वर्ग के 84.22 लाख विद्यार्थियों को ₹ 10,467 करोड़ की राशि से संबल प्रदान किया गया है।

शिक्षा को बढ़ावा देने म.प्र. सरकार ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, छात्रावास एवं उत्कृष्ट 8 छात्रावास के रूप में 1933 छात्रावासों का संचालन कर रही है। इनमें एक लाख से अधिक सीट स्वीकृत है। अनुसूचित

जाति छात्रावास भवनों का निर्माण, आवास सहायता योजना, छात्रावासों के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार योजना, छात्रावासों में पुस्तकालय योजना, प्रसाधन किट प्रदाय योजना, दिल्ली में उच्च शिक्षा हेतु छात्रावास

सुविधा को गुणवत्ता सहित लागू कर अनुसूचित जाति के युवाओं की शिक्षा के स्तर का उन्नयन किया जा रहा है। इस वर्ष राशि रु. 420.00 करोड़ के 84 छात्रावास के नवीन भवनों का निर्माण कराया जा रहा

है। कक्षा 1 से लेकर महाविद्यालयीन स्तर तक की शिक्षा को सुगम बनाये जाने हेतु विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। वर्ष 2025-26 में कक्षा 1 से 12 तक के लिये 13 लाख 37 हजार विद्यार्थियों को राशि रु.

73.71 करोड़ की छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। महाविद्यालय स्तर के लिये 2 लाख 09 हजार विद्यार्थियों को राशि रु. 344.02 करोड़ की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है।

19 जनजातीय बहुल जिलों में 94 सांदीपनि विद्यालय



सांदीपनि विद्यालय			
कुल भवन	274	निर्माणाधीन भवन	167
पूर्ण हो चुके भवन	97	लोकार्पित विद्यालय	74
लोकार्पण के लिए तैयार 23			

सांदीपनि विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु नवीन शिक्षा नीति के दृष्टिगत सर्व संसाधन संपन्न विद्यालयों की स्थापना के लिए योजनान्तर्गत प्रथम चरण में 19 जिलों में 94 सांदीपनि विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों के 55 भवनों का निर्माण पूर्ण हो गया है एवं 39 भवन निर्माणाधीन है।

निर्माण :- आश्रम शाला/जूनियर छात्रावास/सीनियर छात्रावास/महाविद्यालयीन छात्रावास, माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, क्रीडा परिसर एवं सांदीपनि विद्यालयों के भवन निर्माण कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूंजीगत मद में राशि रु. 1 हजार 7 सौ 37 करोड़ का

बजट प्रावधान किया गया है।

जनजातीय उपयोजना :- अनुसूचित के जनजातियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न विभागों के माध्यम से आर्थिक, मानव संसाधन, क्षेत्र विकास एवं अन्य विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। संबंधित विकास विभागों द्वारा जनजातीय उपयोजना अंतर्गत प्रावधानित बजट एवं व्यय की राशि का अनुश्रवण जनजातीय कार्य विभाग के स्तर पर किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनजातीय उपयोजना अंतर्गत राशि रु. 37350 करोड़ का व्यय किया गया। वर्ष 2026-27 में 47428 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर

84 छात्रवासों के लिए 420 करोड़

